

शास्त्री तृतीय सत्रार्द्ध  
वेदभाष्यम्  
(कृष्णयजुर्वेदभाष्यम्)  
पत्र संख्या - DSE- II  
पाठ्यक्रम विवरणम् -

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

यजुर्वेदस्य अभ्यर्हितत्वम्, वेदस्य प्रामाण्यम्, मन्त्राणां प्रामाण्यविचारः, ब्राह्मणस्य प्रामाण्यविचारः।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

वेदस्य अपौरुषेयत्वम्, मन्त्रब्राह्मणयोः लक्षणविचारः, ऋग्यजुस्सामलक्षणम्।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

वेदाध्ययनविचारः, अध्ययनस्य दृष्टार्थता, अनुबन्धचतुष्टयम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

वेदाङ्गविमर्शः।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - १ ऋग्वेदभाष्यभूमिका।

सहायकसन्दर्भग्रन्थाः

१ ऋग्वेदभाष्यभूमिका, कृष्णयजुर्वेदभाष्यभूमिका।